विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, 13 से 18 मार्च 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 38 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

खुशियों का हर पल इन्सान के पास रहता है. लेकिन अपने घमंड, अपने अहंकार और स्वयं को बड़ा समझने की चाहत में यह ऐसे पलों को बर्बाद करता है. इसके लिए खुद जिम्मेदार रहने के बाद भी दूसरों को जिम्मेदार ठहराता है. खुश रहें और खुशियां बांटने का प्रयास करें, खुशियां बढ़ेंगी.

पेज नंबर 2
आत्महत्या नहीं लडने का नाम होता है जिंदगी

पेज नं.3
महिलाएं अपने अरमानों को पंख लगाएं-संजीता मोहपात्र

पेज क्र.6
अभिनंदन हाईट्स बनेगी सहकारी बैंकों के लिए नजीर, काम पूरा होने के करीब

पेज नं. 8
विनम्र आदरांजलि राजा माणुस डॉ.रामगोपाल तापडिया, अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

चंद्रमा पर अंतरिक्ष उतार सकेगा अब भारत

इसरो की शानदार सफलता, स्पैडेक्स सैटेलाइट को डी-डॉक करने का काम पूरा,कई मिशन का मार्ग प्रशस्त

विदर्भ स्वाभिमान,12 मार्च

नई दिल्ली-भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने गुरुवार को स्पैडेक्स सैटेलाइट्स को डी-डॉक करने का काम पूरा कर लिया. इसके बाद चंद्रयान-4, गगनयान, अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री उतारने के साथ-साथ भारत का कई मिशन का रास्ता साफ हो गया है.रूस, अमेरिका और चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया.ज़ो हर भारतीय के लिए अपार गौरव की बात है. इसके लिए इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना की जा रही है.

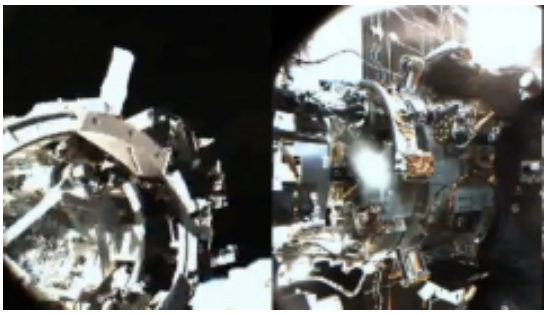

इसरो ने एक्स पर डी-डॉक के दो वीडियो भी साझा किए हैं. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि पृथ्वी की कक्षा में सैटेलाइट अलग डी-डॉक (अलग) हो रही है. पोस्ट में लिखा था, 'एसडीएक्स-1 और एसडीएक्स-2 दोनों से स्पैडेक्स अनडॉकिंग कैप्चर की गई.विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने इसे 'अविश्वसनीय डी-डॉकिंग' कहा. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर लिखा, 'स्पैडएक्स सैटेलाइट ने अविश्वसनीय डी-डॉकिंग को पूरा किया. इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रयान 4 और गगनयान सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा.उन्होंने कहा, 'इसरो टीम को बधाई. यह हर भारतीय के लिए खुशी की बात है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निरंतर संरक्षण उत्साह को बढ़ाता रहता है.पिछले साल 30 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण स्थल से स्पाडेक्स मिशन को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इसरो ने अंतरिक्ष में डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करने के लिए दो उपग्रहों - एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया.इसके बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने 16 जनवरी को 220 किलोग्राम वजन वाले दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया.

मेटल से बने हार्ट से 100 दिन जिंदा रहा एक व्यक्ति

वैद्यकीय क्षेत्र में बड़ा चमत्कार,बना पहला इंसान

विशेष प्रतिनिधि, 12 मार्च

नई दिल्ली-ये खबर मेडिकल इतिहास में किसी चमत्कार से कम नहीं है.यह जहां किसी वैद्यकीय चमत्कार से कम नहीं है, वहीं दूसरीओर इंसान की चाहत और उसके मुताबिक उसकी सफलता की गाथा भी अपने आप में समेटे हुए है. ऑस्ट्रेलिया से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. ऑस्ट्रेलिया के एक व्यक्ति को पूरी तरह से मेटल से बने हार्ट पर 100 दिनों तक जिंदा रखा गया. शख्स के अंदर टाइटेनियम का बना दिल लगा दिया गया था. वह शख्स इस मशीनी हार्ट के सहारे 100 दिनों तक जिंदा रहा, ये किसी चमत्कार से कम नहीं है. शख्स शेष पेज 2 पर

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की नावी किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय गोविंदा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

आत्महत्या नहीं लड़ने का नाम होता है जिंदगी

जीवन में हर व्यक्ति को संघर्ष करना पड़ता है. लेकिन आज के दौर में जिंदगी से हारने वालों और आत्महत्या करने वालों की संख्या बढ़ रही है. पहले गलती करना और फिर उत्पन्न स्थिति से निपटने की बजाय आत्महत्या का कदम उठाने की प्रवृत्ति युवाओं से लेकर किसानों में तेजी से बढ़ रही है. सवाल यह है कि जीवन का नाम ही संघर्ष है. अगर सही दिशा में मेहनत, समर्पण और कोई काम भी छोटा नहीं होता है, यह सोचने की प्रवृत्ति हो तो निश्चित तौर पर हम कभी परेशान नहीं हो सकते हैं. लेकिन कई बार मेहनत से बचने की तैयारी, नियोजन का अभाव हमें पीछे ले जाता है. किसानों की आत्महत्याएं हों अथवा युवाओं की बढ़ती आत्महत्या यह समाज के लिए चिंतनीय पहलू है. सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी अमरावती सहित राज्य में किसानों की आत्महत्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. पूरक उद्योग के अभाव में केवल खेती पर निर्भर रहने की किसानों की मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है. सरकार द्वारा कोशिश करने के साथ ही किसानों को भी आर्थिक मजबूती के लिए प्रयास करना चाहिए. किसान आत्महत्या रोकने के लिए की जा रही विभिन्न उपाय-योजना के बाद भी इनमें कमी आने का नाम नहीं ले रही है. अमरावती जिले में पिछले 14 महीने में कुल 228 किसानों ने मौत को गले लगाया है. कर्जबाजारी और फसलों की बर्बादी से त्रस्त होकर किसानों की आत्महत्याएं हो रही हैं. किसानों के साथ ही पारिवारिक कलह तथा अन्य समस्याओं के कारण भी युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक में आत्महत्या की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है. इसके लिए सामाजिक स्तर पर भी प्रयास करने की जरूरत है.

अमरावती जिले में कुल 228 किसानों ने 14 महीने में आत्महत्याएं की हैं. जिनमें से अब तक 111 आत्महत्याग्रस्त किसानों के परिवारों को सरकारी मदत मिली है. 60 मामले सरकारी मदत को अपात्र ठहराए गए है. अन्य 57 किसान आत्महत्या मामलों की जांच शुरू है. किसान आत्महत्याएं तेजी से बढ़ने के पीछे के कारणों का पता लगाने के साथ ही इससे स्थायी राहत के लिए भी प्रयास किया जाना चाहिए. जिंदगी की कीमत पैसों में गिनने की मानसिकता से दूर होना चाहिए. किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए.जिले ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर किसानों की समस्या ने सभी को त्रस्त किया है. युवाओं में भी आज के दौर में जिंदगी से लड़ने की प्रवृत्ति घट रही है. इसके कारण समस्या होने के बाद लोगों में हारने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. आत्महत्या समस्या का समाधान कदापि नहीं हो सकता है. जिंदगी अनमोल होती है.

होली है त्याग,खुशियों का त्यौहार

होली आयी रे-त्वचा का रखें किस तरह ध्यान

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

होली रंगों का त्यौहार है लेकिन होली की खुशियां मनाते हुए हमारी त्वचा का कैसे ख्याल रखें , इस बारे में बेहतरीन जानकारी सुख्यात त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी नीरज मुरके ने दी है. इसका पालन करने से निश्चित ही खुशियां भी बढ़ेगी और किसी तरह की दिक्कत भी नहीं आएगी. उन्होंने होली खेलने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां और रंगोत्सव खेलने के बाद क्या करना चाहिए, इसकी बेहतरीन जानकारी दी है.

होली रंगों का त्योहार है, खुशियों का त्योहार है , मिलने जुलने का त्योहार है . रंगों में आज कल केमिकल युक्त रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है . यह केमिकल युक्त रंग आपकी त्वचा को नुकसान पहुँचा सकते हैं.

आपके लिए पेश है कुछ आसान स्किन केयर टिप्स जो आपकी त्वचा को सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेंगे. आइए जानते है होली के पहले , होली के दौरान और होली के बाद त्वचा का कैसे रखे ध्यान. होली से पहले की स्किन केयर टिप्स

मॉइश्चराइज़ करें-होली खेलने से पहले चेहरे और शरीर पर अच्छे से मॉइश्चराइज़र या नारियल तेल लगाएँ. इससे रंग आपकी त्वचा में गहराई से नहीं चिपकेगा.

2. सनस्क्रीन लगाएँ-बाहर खेलने से पहले वाटरप्रूफ सनस्क्रीन लगाएँ ताकि सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा सुरक्षित रहे.

3. नेल केयर-नाखूनों पर गहरे रंग की नेल पॉलिश लगाएँ, ताकि रंग नाखूनों में न घुसे.4. लिप बाम लगाएँ होठों पर पेट्रोलियम जेली या लिप बाम लगाएँ ताकि वे ड्राई न हों.

5. बालों में तेल लगाएँ स्कैल्प (सर) और बालों में अच्छे से नारियल या जैतून का तेल लगाएँ ताकि रंग आसानी से निकल जाए.

होली खेलने के दौरान सावधानियाँ-ज्यादा सख्त रंगों से बचें हर्बल या ऑर्गेनिक रंगों का इस्तेमाल करें, जो त्वचा के लिए सुरक्षित होते हैं.अधिक पानी का सेवन करना चाहिए.शरीर को हाइड्रेटेड रखें ताकि त्वचा में नमी बनी रहे.ज्यादा देर तक धूप में खेलने से सनबर्न हो सकता है, इसलिए बीच-बीच में छाया में जाएँ. सर पर टोपी रखे. होली के बाद गुनगुने पानी से स्नान करें.रंग छुड़ाने के लिए रगड़ने की बजाय हल्के हाथों से गुनगुने पानी और माइल्ड सोप का इस्तेमाल करें.बेसन और दही का पैक लगाएँ.यह त्वचा को रंगों से मुक्त करने में मदद करता है और त्वचा को पोषण भी देता है.एलोवेरा जेल लगाएँ होली के बाद त्वचा को ठंडक देने और किसी भी जलन से बचाने के लिए एलोवेरा जेल लगाएँ.मॉइश्चराइज़र का इस्तेमाल करें त्वचा को नमी देने के लिए अच्छा मॉइश्चराइज़र या कोकोनट ऑयल लगाएँ.डिटॉक्स ड्रिंक लें त्वचा को अंदर से स्वस्थ रखने के लिए नींबू पानी या ग्रीन टी पिएँ.थोड़ी सी तैयारी और सावधानी से आप होली के रंगों का भरपूर आनंद उठा सकते हैं, बिना अपनी त्वचा को नुकसान पहुँचाए. प्राकृतिक चीज़ों का इस्तेमाल करें और अपनी त्वचा का खास ख्याल रखें.और हाँ.होली बड़ी धूमधाम से मनाएं. सभी को होली और रंगपंचमी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

डॉ. पल्लवी मुरके
कॉस्मेटोलॉजिस्ट व त्वचा रोग विशेषज्ञ, राजकमल चौक, अमरावती.

चमत्कार हुआ, मेटल से बने हार्ट से 100 दिन जिंदा रहा

पेज 1 से जारी-की उम्र 40 साल बताई जा रही है, टाइटेनियम से बने हार्ट का इस्तेमाल करने वाला ये पहले इंसान बन गया.बता दें कि सिडनी के सेंट विंसेंट अस्पताल में नवंबर 2023 के दौरान शख्स का ऑपरेशन किया गया. मरीज का हार्ट पूरी तरह फेल हो चुका था. तत्काल कोई हार्ट डोनर था नहीं. इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने 6 घंटे की सर्जरी के बाद पूरी तरह से डैनियल टिम्स द्वारा डिजाइन किया गया पूरी तरह से आर्टिफिशियल हार्ट मरीज में प्रत्यारोपित कर दिया. यह आर्टिफिशियल हार्ट दुनिया की पहली रोटरी रक्त पंप है.इसी हार्ट पर मरीज जिंदा रहा और यहां तक कि उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई और वह सामान्य कामकाज करने लगा. जब उसे हार्ट देने के लिए डोनर मिल गया तो सौ दिनों के बाद उसके शरीर में इंसान वाला हार्ट लगा दिया गया.

कैसे काम करता है यह मशीनी दिल?-कृत्रिम ह्रदय मैग्नेटिक लेविटेशन तकनीक का इस्तेमाल करता है, जो हाई-स्पीड ट्रेनों में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक के समान है. यह शरीर और फेफड़ों में रक्त पंप करने का कार्य करता है, जिससे ह्रदय के दोनों निलयों को बदला जा सकता है.विश्व में अपनी तरह के पहले प्रयास को जहां वैद्यकीय क्षेत्र का चमत्कार माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसको लेकर मानव जाति में अपार उम्मीदें भी देखी जा रही हैं.इस खोज को अहम माना जा रहा है.

पार्वतीनगर में 29 अप्रैल से शिव महापुराण कथा

अमरावती- पार्वती नगर के श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में अप्रैल महीने के आखिरी सप्ताह में शिव महापुराण कथा का आयोजन क रने का फैसला क्षेत्रवासियों की बैठक में लिया गया. इसके लिए शिव महापुराण समिति का गठन किया गया, इसके अध्यक्ष नरेश इसासरे और उपाध्यक्ष डॉ.शोभा गायकवाड़ का आमसहमति से चयन किया गया. श्री केशरीनंद बहुउद्देशीय संस्था द्वारा 29 अप्रैल से 5 मई तक आयोजित श्री शिव महापुराण को सफल बनाने के लिए सभी ने संकल्प लिया.बैठक में गजानन गुजर, अर्चना रोडे, सरोज सरोदे, मनोज चोरे, लोखंडे, शंदे,कापसे, सुधीर कापसे, सरोदे, सावरकर, अबोली गायकवाड़ के साथ ही बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं. कथा को लेकर दूसरी संक्षिप्त बैठक बुधवार को हुई, इसमें आयोजन पर चर्चा करने के साथ ही नियोजन तथा विभिन्न समितियों के गठन के लिए शीघ्र ही मंदिर प्रांगण में ही क्षेत्र के नागरिकों की एक सभा बुलाने तथा चर्चा करने का विचार मनोज चोरे, डॉ. शोभा गायकवाड़ ने व्यक्त किया, इसका सभी उपस्थितों ने समर्थन दिया. यह भव्य पैमाने पर करने का फैसला लिया.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

महिलाओं को अपने सपनों को खुद लगाना होगा पंख

विदर्भ स्वाभिमान आनंद आदर्श महिला पुरस्कार वितरण समारोह में जिप सीईओ संजीता मोहपात्र का प्रतिपादन

विदर्भ स्वाभिमान, 12 मार्च

अमरावती- चुनौतियां सभी के जीवन में आती हैं लेकिन जो लोग इससे लड़ने और जीतने का लक्ष्य तय कर लेते हैं चुनौती चाहे कितनी भी खतरनाक हो, ऐसे लोग ही जीवन में सफलता हासिल करते हैं. महिलाओं में अपार क्षमता होती है. उन्हें केवल स्वयं को पहचानना होगा और जिस दिन वह स्वयं को पहचान लेंगी और अपने जीवन का लक्ष्य तय कर लेगी उसी दिन से हर कामयाबी उनके कदमों में होगी. मैं सौभाग्यशाली हूं की मां की अनचाही संतान होने के बाद भी मेरे जीवन में मेरे पिता और मेरे पति का मुझे सदैव सहयोग मिला. विवाह के बाद पति ने मेरे हर उस अरमान को पूरा करने के लिए सहयोग दिया. यही कारण है कि मैं आईएएस होकर आज समाज और राष्ट्र की सेवा कर पा रही हूं. इस आशय का प्रतिपादन अमरावती जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीता मोहपात्र ने किया. जोशी हाल में रविवार को आयोजित विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श महिला पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वह बोल रही थीं.

कार्यक्रम में अमरावती मध्यवर्ती जेल की प्रमुख जेल अधीक्षक कीर्ति चिंतामणि, अभिनंदन बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, भारतीय जैन संगठन के ट्रस्टी सुदर्शन गांग, प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई,पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य और राष्ट्रीय स्तर के विद्वान प्राचार्य सुधीर महाजन, महानगरपालिका उद्यान विभाग के अधिकारी श्रीकांत गिरी, पूजनीय मां श्रीमती शिवपति देवी दुबे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे.

रविवार 9 मार्च को जोशी हाल में मां सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इससे पहले कार्यक्रम में सैयद भाई ने अपने शानदार गीतों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमग्ध कर दिया. विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की जहां उपस्थिती थी, वहीं सत्कार मूर्ति गौरी अय्यर, रेखाताई दलाल,डॉ. दीपिका दामानी, बडनेरा बेघर केंद्र की ज्योति राठौड़, ज्ञानशांति उपवन की अरुणा पोलाड, सौ. सरोज गुल्हाने प्रमुखता से उपस्थित थीं. कार्यक्रम में विशेष उपस्थितों में अभिनंदन बैंक के संचालक अरुण कडू, जाने माने समाज सेवी डॉ.गोविंद कासट,प्रदीप जैन, आशीष ठोंबरे, रविंद्र गुल्हाने, पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे, पूर्व नगर सेविका अंजली पांडे सहित अन्य मान्यवरों का समावेश था. अंजली पांडे के नेतृत्व में उनकी ग्रुप की महिलाओं का जिप सीईओ संजीता मोहपात्र सहित सभी अतिथियों के हाथों सत्कार किया. मौके पर अपार उत्साह की जहां अनुभूति हो रही थी, वहीं अतिथियों के साथ ही दर्शक भी पूरी तन्मयता के साथ कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे. सभी ने बेहतरीन नियोजन को सराहा. **शेष पेज 5 पर**

छा गई जिप सीईओ,सुधीर महाजन

कार्यक्रम में पहुंचने से लेकर निकलने तक अमरावती जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीता मोहपात्र छा गई.वहीं राष्ट्रीय स्तर के वक्ता प्राचार्य सुधीर जोशी का मार्गदर्शन प्रभावी रहा. उन्हों ने शेरो-शायरी के माध्यम से महिलाओं की महत्ता के साथ इंसानियत पर भी बेहतरीन मार्गदर्शन किया. संजीता मोहपात्र का जोशी हाल में प्रवेश से पूर्व विदर्भ स्वाभिमान की प्रबंधक वीणा दुबे तथा अन्य महिलाओं ने उनका स्वागत किया. मंच पर विराजमान सभी अतिथियों का सत्कार उपस्थितों द्वारा किया गया. मां पर मराठी में आधारित आशीष ठोंबरे की कविता को भी सभी उपस्थितों ने बेहतरीन प्रतिसाद दिया. मंच पर जिस समय लीना बावनेर का सत्कार हो रहा था उसे समय उनकी आंखों से आनंद के आंसू निकलने पर आईएएस अधिकारी संजीता मोहपात्र ने उन्हें गले लगा कर अपनी सादगी का जहां सबूत दिया वहीं तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा हॉल गूंज उठा.

कीर्ति चिंतामणि दर्शक दीर्घा में

व्यस्त कार्यक्रम रहने के बाद भी इस समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में पहुंची अमरावती मध्यवर्ती जेल की प्रमुख कीर्ति चिंतामणि की सादगी ने भी सभी को प्रभावित किया. उच्च अधिकारी रहने के बाद भी उनकी विनम्रता इतनी कि कार्यक्रम में पहुंचने के बाद वह दर्शन दीर्घा में बैठी रही. वीणा दुबे के यह बात ध्यान में आने पर उन्हों ने मंच पर उन्हें ससम्मान बुलाया. वह लगभग आधा घंटे तक दर्शकों की कतार में जिस तरह से बैठी और कार्यक्रम का आनंद लिया वह अपने आप में न केवल उनकी सादगी का सबूत है बल्कि वरिष्ठ अधिकारी रहने के बाद भी उनकी विनम्रता का सबूत है. उन्होंने महिलाओं को जहां प्रेरित करने का कार्य किया वहीं विदर्भ स्वाभिमान आनंद आदर्श महिला पुरस्कार के पहल की भी सराहना की.

महत्ववाला और पुण्यस्थल है वेंकटाचल पर्वत

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-8, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

पिछले अंक से आगे-ऐसी पुष्करिणी के तट पर वेंकटाचल में स्वामी वराह मूर्तिजनों को पुण्य दर्शन देते हैं.यह पर्वत ही अत्यंत महत्ववाला पुण्यस्थल है.इसमें कोई संदेह नहीं है. यह सत्य है. ऐसा कहनेवाले सूत को देख कर शौनकादि मुनियों ने इस रूप में आगे पूछा.

वराह देव की विहार लीलाएँ- यह वराह देव उस पर्वत पर रहते क्या कर रहे थे, किन-किन को क्या दिया सुनने की इच्छा पैदा हुई . हमें उसके बारे में बताइए, हे सूत उनकी बातें सुनकर सूत ने इस रूप में कहा. वे महान वराह देव उस गिरि पर अत्यंत शोभायमान रूप से रहते अपनी देवेरियों के साथ अत्यंत प्रसन्न थे. वन पुष्पों से प्रकाशवान पौधे-झुरमुटों के बीच में क्रीड़ा करते पर्वत सानुओं में विहार करते थे. क्रीडाचल पहाड़ पर सुगंध से भरे फूलों पर भ्रमरों की झुंड दावा बोलते शीतल पर्ण कुटीर मंदिरों की तरह रमणीय लग रहे थे . फूलों के मकरंद से भरे पुष्पवाटिकाओं में स्वामी अपनी देवेरियों के साथ विहार लीलाएँ कर रहे थे .इसके अतिरिक्त स्वामी अधर्मी लोगों के पापों को दूर करते थे. इसके साथ ही धर्मचित्त पुण्य लोगों को सुख प्रदान करते थे. वैसे ये गुण श्रीहरि के नैसर्गिक गुण हैं. ऐसी जरुरत पड़ने पर धर्मकर्ता बनकर हरि सदा अवतार लेकर धरती पर आया करते थे. रात होने पर बार-बार ब्रह्मा के सो जाने से हरि सकल गुरु बनकर जागकर धरती की रक्षा करते थे. फिर ब्रहा की नींद से जागने के बाद सृष्टि-कार्य को उन्हें सौंप कर अपनी सखियों से क्रीड़ा करते थे.हरि के मीन, वराहादि अवतार ऐसे क्रम में ही अवतरित हुए हैं.वे इस क्रम में दुष्टों का संहार करके शिष्टों की रक्षा करते थे .ऐसे ही वराह कल्प में एक दिन ब्रहा ने चक्री के पास जाकर उन्हें नमस्कार करके विनय के साथ इस रूप में निवेदन किया.

ब्रह्म देव की विनति -हे श्वेत वराह रूपा ! मेरी प्रार्थना को स्वीकार करके राक्षसों के संहार करने के लिए इस शेषगिरि पर्वत पर वास कीजिए. यहाँ पर अत्यंत प्रसिध्द होकर जनता की पूजाओं को स्वीकार कर लीजिए. युग-युगों तक मनुष्य आपकी पूजा-वंदना करते रहेंगे . हे तात !मेरी यह विनति स्वीकार कर लीजिए. ब्रह्म की इस विनति को सुन कर चक्री ने प्रसन्न होकर इस रूप में कहा. हे जलज संभव ! आपकी इच्छा के अनुसार ही मैं अत्यंत विकृत एवं उग्र रूप में इस शेषाचल पर्वत पर बस जाऊँगा. आश्रित भक्त जनों की रक्षा करूँग.यह सुनकर ब्रह्म विष्णु को नमस्कार करके लौट आये. श्वेत वराह स्वामी इसलिए शेषाचल पर प्रसन्न चित्त होकर निवास करते हुए भक्त जनों की रक्षा करते रहे.इस प्रकार वैकुंठ आदित्य मंडल स्वर्ग में रहनेवाले हरि अत्यंत प्रसन्न चित्त से वें कटाद्रि पर रहने के लिए तैयार हो गए.

शेष अगले अंक में

समाजसेविका निशी चौबे को मिला डिग्नीफाईड वुमन अवॉर्ड

नागपुर में हुई सम्मानित, पहले भी मिल चुके हैं कई सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान, 12 मार्च

अमरावती- सामाजिक कामों में हमेशा ही अग्रणी रहनेवाली,ब्राह्मण समाज की एकता तथा मजबूती के साथ ही विभिन्न सेवाभावी प्रकल्प चलाने तथा सेवा कार्यों में समर्पित शिव आश्रय वेलफेयर ट्रस्ट व सुश आसरा फाउंडेशन की अध्यक्षा निशी चौबे को विश्व महिला दिवस पर रेडिओ मिर्ची (नागपुर) व एनएस डॉटर्स द्वारा आयोजित समारोह में डिग्नीफाईड वुमन अवॉर्ड प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया.इस उपलक्ष्य में उनका सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है.

भगवान भोलेनाथ की अनन्य भक्त निशी चौबे को यह सम्मान नार्कोटिक कंट्रोल ब्युरो (एनसीबी) के झोनल डायरेक्टर समीर वानखडे तथा उनकी पत्नी व अभिनेत्री क्रांति रेडेकर के हाथों प्रदान किया गया.

विगत 8 मार्च की शाम 6.30 बजे नागपुर के होटल सेंट्रल पॉईंट में विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि राज्य के राजस्व मंत्री तथा अमरावती व नागपुर के जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले भी उपस्थित थे. निशी चौबे की इस उपलब्धि हेतु उनका शहर में सर्वत्र अभिनंदन किया जा रहा है. इस पुरस्कार पर प्रसन्नता व्यक्तकरते हुए उन्होंने बताया कि दिल तथा सच्चाई के साथ किया गया कोई भी काम कभी बेकार नहीं जाता है. वे सदैव महिलाओं के हित के साथ समाज तथा राष्ट्र की सेवा के कार्यों को अत्याधिक महत्व देती हैं और इसमें अपना योगदान सदैव देने का प्रयास करती हैं. पुरस्कार के लिए विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूजपेपर्स (सेंट्रल रूल्स 1956 के अंतर्गत) विदर्भ स्वाभिमान पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विषयक जानकारी घोषणा

1) प्रकाशन स्थल	*- छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती ता. अमरावती जिला-अमरावती (महाराष्ट्र)*
2) प्रकाशन क्रम	*- साप्ताहिक*
3) मुद्रक	*- संदीप बागडे, एस.बी. प्रिंटर्स, दत्त पैलेस, गांधी चौक, अमरावती-444605*
4) प्रकाशक	*- सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे*
निवासस्थान	*- श्रीहरी,छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती.*
5) सम्पादक	*- सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे*
नागरिकता	*- भारतीय*
निवासस्थान	*- छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.444605*

6) पत्र के स्वामित्व और भागीदार या एक प्रतिशत से अधिक पूंजीवाले हिस्सेदार - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
नागरिकता - भारतीय

मैं सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है.
दिनांक- 13-03-2025

हस्ताक्षर
सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श महिला पुरस्कार रहा यादगार

नारी ही होती है नारायणी-सुदर्शन गांग

महिलाओं का हर रूप होता है अनुपम-सुधीर महाजन

प्रस्तावन प्राचार्य डॉ. सुभाष गवई ने कर सराहा

एड. विजय बोथरा का मार्गदर्शन रहा कारगर

पेज 3 से जारी-मौके पर अपने मार्गदर्शन में लगभग सभी वक्ताओं ने विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार द्वारा चयनित महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि इन सभी महिलाओं का कार्य अपने क्षेत्र में अतुलनीय है. नारी को नारायणी बताते हुए आनंद परिवार के सुदर्शन गांग ने कहा कि नारी को भारतीय सनातन धर्म में नारायणी की दी गई उपमा पूरी तरह से सार्थ है.

उन्होंने सभी से महिलाओं के सभी रूपों का सम्मान करने और स्वयं भी खुश रहने तथा अन्य को भी खुश रखना के उद्देश्य पर कार्य करने की सलाह दी.

पोदार इंटरनेशनल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने महिलाओं की अनगिनत खूबियों पर शेरो शायरी के साथ जहां बेहतरीन भाषण दिया वहीं सभी उपस्थितों ने उनके भाषण को सुना और सराहना की. मानवता की मिसाल देते हुए उन्होंने अपने शेर के माध्यम से उपस्थितों को मंत्रमुग्ध किया. साथ ही विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार द्वारा की गई इस पहल को अपनी शुभकामनाएं तथा हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया. अत्याधिक व्यस्तता के बाद भी प्राचार्य सुधीर महाजन के भाषण को जिला परिषद के सीईओ संजीता मोहापात्र ने न केवल उनका भाषण ध्यान से सुना बल्कि अत्यधिक व्यस्तता रहने के बावजूद प्राचार्य सुधीर महाजन का भाषण खत्म होने तक मंच पर विराजमान रही.

शहर ही नहीं तो जाने-माने अधिवक्ता और अभिनंदन बैंक के अध्यक्ष एड. विजय बोथरा ने कहा कि देश के विकास में महिलाओं की आधी हिस्सेदारी है. उन्होंने महिलाओं से आत्मनिर्भर बनने और स्वयं के साथ परिवार को संवारने के लिए योगदान देने का अनुरोध किया. संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित उनके भाषण की सराहना सभी ने की.

समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट के हाथों अर्हम ग्रुप के माध्यम से जीव सेवा तथा मानव सेवा में समर्पित रहने वाली डॉ दीपिका दामानी का सर्वप्रथम सत्कार किया गया. कार्यक्रम निर्धारित समय से एक घंटे विलंब से शुरू हुआ लेकिन कोई बोर नहीं हो रहा था औरसभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया. पुलिस निरीक्षक सीमाताई दातालकर का सत्कार विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय तथा लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई, प्राचार्य डॉ.शोभाताई रोकडे का सत्कार निवास पर जाकर किया गया. अतिथियों के हाथों सभी सत्कार तथा पुरस्कार प्राप्त महिलाओं का शाल, श्रीफल, विदर्भ स्वाभिमान आनंद परिवार आदर्श महिला पुरस्कार का स्मृति चिन्ह और उपहार बॉक्स प्रदान कर सत्कार किया गया. कार्यक्रम की सराहना सभी उपस्थितों ने की. श्री राम सेना की प्रमुख नमिता तिवारी सहित अन्य मान्यवारों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की गर्मी बढाई.

ढाई घंटे तक चला यह कार्यक्रम जहां बेहतरीन रहा वहीं सभी उपस्थितों ने इसकी सराहना की. किसने प्रियंका जैन किसका सत्कार किया था. आनंद परिवार से कार्यक्रम में उपस्थित प्रियंका जैन का सत्कार वीणा तथा अनीता दुबे ने किया. जबकि नामित तिवारी का सत्कार सौ. भावना बनारसे, माधवी काले ने किया. संदीप दुबे एवं शीतल दुबे ने जहां जिप सीईओ संजीता मोहापात्र का सत्कार किया वहीं भांजे ओमप्रकाश तिवारी ने श्रीकांत गिरी का सत्कार किया.

कार्यक्रम की सफलतार्थ सत्य प्रकाश दुबे, सौ. अनिता दुबे, नीलम दीदी,डॉ.संदीप, शीतल,सौ. रोशनी, श्वेता, वंशिका दुबे, ओम त्रिपाठी,आरती त्रिपाठी, गुंजन राजपुरोहित, पुखराज राजपुरोहित सहित दुबे परिवार, त्रिपाठी परिवार के सदस्यों ने प्रयास किया. कार्यक्रम का संचालन विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे और आभार प्रदर्शन आनंद परिवार के नितेश जैन ने किया. पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे विशेष रूप से उपस्थीत थे.

गड़गड़ेश्वर महादेव का होली श्रृंगार

अमरावती- शहर के प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों द्वारा होली के पावन पर्व पर भगवान भोलेनाथ का किया गया शानदार श्रृंगार हर भक्त को आकर्षित कर रहा था. इसका एक मनोहारी नजारा. मंदिर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में भगवान भोलेनाथ को अलग-अलग तरीके से सजाया जा रहा है. भक्तों में इसको लेकर अपार उत्साह है. रोज की सुबह-शाम की आरती में भी सैकड़ों भक्त उमड़ रहे हैं. भोलेनाथ का सेहरा श्रृंगार करने के लिए टीम के सदस्यों द्वारा जिस तरह से प्रयास किया गया, वह सराहनीय है. प्रवीण बुंदेले के साथ पूरी टीम को शुभकामनाएं.

अभिनंदन हाईटस्

अभिनंदन हाईट्स बनेगी अन्य बैंक इमारतों के लिए नजीर

विदर्भ स्वाभिमान, 12 मार्च

अमरावती- पारदर्शी कार्यप्रणाली, कुशल नेतृत्व, कर्मयोगियों के समर्पण के साथ ही ग्राहकों के अपार विश्वास को हासिल करने तथा तरक्की के नये पायदान स्थापित करने वाली अभिनंदन अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक मुख्यालय की इमारत अभिनंदन हाईट्स का काम अंतिम चरण में चल रहा है. इस इमारत को आधुनिकतम सुविधाओं से जहां लैस किया गया है, वहीं दूसरी ओर यह मुख्यालय इमारत अन्य बैंकों के लिए प्रेरणा बनने का काम कर सकती है. इसका अंतिम चरण का कार्य तेजी से जारी है. बैंक व्यवसाय के साथ ही सामाजिक सेवा तथा अन्य पहल में भी सदैव अग्रणी रहती है. बैंक अध्यक्ष एड. विजय बोथरा, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के साथ ही समर्पित संचालकों तथा कर्मयोगियों की टीम के कारण लगातार आगे बढ़ रही है.

सहकारिता क्षेत्र में भूषण और अभी तक राज्यस्तर के साथ ही कई पुरस्कार प्राप्त कर चुकी अभिनंदन बैंक के आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित बहुमंजिला इमारत का काम तेजी से किया जा रहा है. इसमें बैंकिंग सेवा के साथ ही ग्राहकों की सुविधाओं का ख्याल जहां रखा गया है, वहीं दूसरी ओर प्रशस्त पार्किंग सहित अन्य तमाम तरह की व्यवस्था की जा रही है. बैंक की स्वयं की इमारत का काम कैम्प रोड पर आईएमए हॉल के करीब हो रहा है. अभिनंदन हाईट्स का काम लगभग अंतिम चरण में पहुंच गया है. इस इमारत में बैंकके मुख्य कार्यालय के साथ एक शाखा भी खोली जाएगी. दो स्ट्रांग रूम की निर्मिती की गई है. इसमें गोल्ड लाकर सुविधा के साथ ही छोटे, मध्यम और बड़े लाकर की भी सुविधा ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाएगी. ग्राहकों की सेवा में बैंक द्वारा चौबीसों घंटे शुरू रहने वाली एटीएम व पासबुक प्रिंटिंग सुविधा भी बैंक क्षेत्र में की जाने वाली है. यह इमारत पांच मंजिला है, नीचे की मंजिल पर पार्किंग, पहली मंजिल पर बैंक की आधुनिक शाखा, सुविधा युक्त 200 सीटों की क्षमता वाला अभिनंदन ऑडिटोरियम रहेगा.जिसमें छोटे-मोटे कार्यक्रम भी होने में मदद मिलेगी. बेहतरीन निर्माण व सुसज्जित भव्य दिव्य अभिनंदन हाईट्स ग्राहकों को बेहतरीन सेवा देगी. भारतीय रिजर्व बैंक व सहकार आयुक्त पुणे के मापदंडों और शर्तों का पूरी तरह से पालन बैंक द्वारा किया जाता है. बैंक का एनपीए 0 रहने के कारण इसकी सराहना की जाती है.

सभी के साथ से प्रगति-बैंक के अध्यक्ष एवं जाने माने अधिवक्ता विजय बोथरा के मुताबिक संचालकों के समर्पण और पारदर्शी कार्यप्रणाली, सीईओ शिवाजी देठे के साथ ही सभी कर्मयोगियों के प्रयासों के कारण बैंक ने शानदार सफलता प्राप्त की है. सभी संचालक और कर्मयोगी बैंक के प्रति पूरी तरह से समर्पित हैं.

इस्कॉन मंदिर राठी नगर में श्री गौर पूर्णिमा महामहोत्सव 14 मार्च से,हजारों भक्त उमड़ेंगे

विदर्भ स्वाभिमान, 12 मार्च

अमरावती- हजारों कृष्ण भक्तों के लिए आस्थास्थल सरस्वती नगर,राठी नगर के इस्कॉन मंदिर में साल भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. इस कड़ी में 14 मार्च से यहां श्री गौरपूर्णिमा महामहोत्सव का आयोजन किया गया है. इसका भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.राठी नगर स्थित श्रीश्री रुक्मिणी आध्यात्मिक संस्कार केंद्र द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.यहां पर श्रीश्री गौर पूर्णिमा महामहोत्सव का 14 मार्च से आयोजन किया गया है. इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जन-सामान्य एवं समाज में आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार करना, जीवन में मूल्यों के असंतुलन को रोकने के लिए सभी लोगों को आध्यात्मिक जीवन तकनीक की शिक्षा देना तथा विश्व में सच्ची एकता एवं शांति प्राप्त करना, समाज के सदस्यों को एकजुट करके मानवता का विकास करना, समाज में संकीर्तन आंदोलन की शिक्षा देना तथा सामूहिक रूप से कृष्ण नाम का जाप करना है.परम पूज्य लोकनाथ स्वामी महाराज के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से 14 मार्च को श्री गौर पूर्णिमा महामहोत्सव का आयोजन किया गया है. यह महोत्सव 14 मार्च को प्रातः 4:30 बजे श्री श्री रुक्मिणी द्वारकाधीश की शुभ आरती के साथ आरम्भ होगा. बाद में महामंत्र 'हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे' का सामूहिक जाप होगा. इसके बाद शाम 7:30 बजे दर्शन आरती होगी, जिसके बाद इस्कॉन के संस्थापक भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद की गुरु पूजा आयोजित की जाएगी. शाम पांच बजे श्री श्री गौर निताई की शोभायात्रा निकलेगी. इसके साथ ही नगर संकीर्तन भी किया जाएगा.

शाम 6 से 7 बजे तक भजन संध्या और हरिनाम संकीर्तन होगा.रात 7 से 8.30 बजे तक श्रीमन अन्तःशेष प्रभुजी की मधुर वाणी से श्री गौरलीला कथा सुनाई जाएगी. रात्रि 8:30 बजे छप्पन भोग दर्शन एवं श्री श्री गौर निताई एवं श्री श्री रुक्मिणी द्वारिकाधीश की महाआरती संपन्न होगी. महाप्रसाद के साथ सम्पूर्ण महोत्सव का समापन होगा. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह इस्कॉन अमरावती के अध्यक्ष अद्वैत आचार्य प्रभुजी ने किया है. कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह मंदिर प्रबंधन द्वारा किया गया है.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

– संपर्क –
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मै ज़िंदगी का साथ
निभाता चला गया
हर फ़िक्र को धुएं में
उड़ाता चला गया
ग़म और ख़ुशी में फ़र्क़ न
महसूस हो जहां
मैं दिल को उस मक़ाम पे
लाता चला गया
जो मिल गया उसी को
मुक़द्दर समझ लिया
जो खो गया मैं उस को
भुलाता चला गया
बर्बादियों का सोग मनाना
फ़ुज़ूल था
बर्बादियों का जश्न
मनाता चला गया

दिव्यांगों की सेवा से मिलता है सुकून -महेन्द्र शिंदे

जन्मदिन पर विशेष साक्षात्कार में बताए सेवा से मिलने वाला संतोष

ज़ीवन में खुशियों के लिए सेवा जरूरी होता है. माता-पिता के आदर्श संस्कार और सभी के साथ के कारण ही जीवन में दिव्यांगों की सेवा करने का सौभाग्य मिला है. इससे मिलने वाला संतोष शब्दों में बयां नहीं कर सकते हैं. इस आशय का मत नूतन मुकबधिर विद्यालय के मुख्याध्यापक और दिव्यांग सेवा में पिछले 23 साल से सेवारत महेन्द्र शिंदे ने किया. 11 मार्च को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने ब ताया कि जिंदगी में सब कुछ आसान नहीं होता है. सफलता के लिए मेहनत, संघर्ष के साथ ही समर्पण की भी तैयारी होनी चाहिए. युवाओं में अपार संभावना रहने की जानकारी देते हुए महेन्द्र शिंदे ने बताया कि आज की पीढ़ी काफी आगे है. सही दिशा की जरूरत होती है. दिव्यांगों की सेवा को संतोष और खुशी का सबसे बड़ा माध्यम मानने वाले महेन्द्र शिंदे ने कहा कि वे 23 साल से इस सेवा में लगे हैं, इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य मानते हैं. लोगों को भी वे सदैव नेक कामों के चलते अपना नाम चमकाने की सलाह देते हैं. साथ ही दिव्यांग सेवा को प्रभु की सेवा बताते हैं.

सभी के प्रेम,अपनेपन का रहूंगा सदैव ऋणी-महेन्द्र शिंदे

अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वाले हजारों मित्रों, शंगठन सहयोगियों,मित्रों, संस्था के सभी कर्मचारियों सहित सभी के प्रति नूतन मुकबधिर विद्यालय के मुख्याध्यापक और दिव्यांग सेवा में पिछले कई वर्षों से कार्यरत महेन्द्र शिंदे ने जताया है. उनके मुताबिक लोगों का यही प्रेम उन्हें सदैव कुछ करने की ताकत प्रदान करता है. महेन्द्र शिंदेके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने फोन कर प्रत्यक्ष और मोबाइल, वाटसअैप, फेसबुक के माध्यम से भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. जीवन में लोगों के प्रेम को सबसे बड़ी पूंजी मानने वाले महेन्द्र शिंदे ने कहा कि लोगों का यही प्रेम उन्हें समाजसेवी कामों के लिए प्रेरित करता है.जिनका सदैव साथ मिलता है, मार्गदर्शन मिलता है, ऐसे लोगों के प्रति भी उन्होंने कृतज्ञता जताई. साथ ही विश्वास जताया कि सभी का प्रेम, विश्वास इसी तरह उन्हें मिलता रहेगा. उल्लेखनीय है कि दिव्यांग सेवा में मुख्याध्यापक के रूप में 23 साल से दिव्यांग सेवा कर रहे हैं. इससे उन्हें अपार उत्साह और संतोष मिलने की बात कही.

सभी के चहेते, काम के प्रति
समर्पित अधिकारी तथा मिलनसार
स्वभाव के धनी,
अभिनंदन बैंक के सीईओ

शिवाजी देठे

के जन्मदिन 13 मार्च को
हम सभी की ओर से
मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अभिनंदन बैंक के सभी अधिकारी,कर्मचारी तथा मित्र परिवार.

गुरूवार 13 से 19 मार्च 2025

मेष

भौतिक सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे. व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.

कर्क

स्पर्धा अच्छाई के लिए करने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

समय बेहतरीन परिणाम देने वाला है. मित्रों का साथ मिलेगा और रूका हुआ कार्य पूरा होने में समय अनुकूल है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. सभी को समझने का प्रयास करें.

मीन

यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

आदरांजलि राजा माणुस डॉ.रामगोपाल तापडिया

विदर्भ स्वाभिमान

आए हैं सो जाएंगे, राजा रंक फकीर
एक सिंहासन चढ़ी चले, एक बंधे जंजीर,

जीवन का यही सच होता है. जिस दिन हम पैदा होते हैं, उसी दिन हमारी विदाई की तारीख भी परमात्मा तय कर देते हैं. जन्म ले लेकर विदाई तक का कार्यकाल हमें मिलता है. इस दौरान हम जो करते हैं, उसका प्रतिसाद हमारे दुनिया से जाने के बाद भी होता है. होमियोपैथी चिकित्सा के क्षेत्र की अमरावती की शान, तखतमल होमियोपैथिक मेडिकल कालेज के पूर्व प्राचार्य, आदर्श पिता, आदर्श पति के साथ ही गोविंद कासट मित्र मंडल के भी आधार पुरूष डॉ. रामगोपाल तापडिया का स्वर्गवास लाखों लोगों के लिए अविश्वसनीय बात थी. उनकी सादगी, मुस्कराता चेहरा यह लोग शायद ही कभी भुला सकें. मेरा तो बीस साल से पत्रकारिता के माध्यम से क़रीबी संबंध रहा है. इस दौरान उनके व्यक्तित्व को जितने समझने का प्रयास किया, उनका व्यक्तित्व उतना ही बड़ा दिखाई देता रहा. बोलने में विनम्रता, मरीजों को समझाने तथा हिम्मत देने वाली उनकी अदा, देशभर से मरीजों के आने वाले फोन और सभी को दी जाने वाली हिम्मत ने हजारों की संख्या में मित्र बनाए थे. उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमरावती के हिन्दू श्मशान भूमि में हजारों चहेते उमड़ पड़े थे. इसमें हर वर्ग के नेताओं के साथ ही डाक्टर, अभियंता सहित समाज के हर वर्ग के लोग थे. बड़ी संख्या में लोगों को जहां उनके नहीं रहने का यकीन नहीं हो रहा था, वहीं दूसरी ओर हजारों उपस्थितों की आंखें नम थी. जन्म तो सभी लेते हैं लेकिन राजा इन्सान बनकर लाखों की दुवाएं लेने का भाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है.

हरदिल अजीज व्यक्तित्व के साथ कोरोना महामारी के दौरान उन्हों ने 60 हजार से अधिक मरीजों को उपचार किया था और सभी ठीक हुए थे. मानवता की सेवा में समर्पित योद्धा के रूप में जहां वे सदैव याद किए जाएंगे, वहीं उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब उनकी राजा माणुस वाली प्रवृत्ति का जीता-जागता उदाहरण है. आते तो सभी हैं, जाना भी सभी को पड़ता है लेकिन नेक काम, स्वार्थ रहित हमारा काम ही हमेशा हमें अमर बनाने की ताकत रखता है. उनके मित्र डॉ.गोविंद कासट, सुदर्शन गांग, प्राचार्य डॉ.सुभाष गवई सहित गोविंद कासट मित्र मंडल के हर सदस्य के साथ शहर के लिए अपूरणीय क्षति है. उनका मुस्कराता चेहरा और सदैव प्रोत्साहन देने वाली अदा सदैव परिवार तथा मित्रों को प्रोत्साहित करेगी. अंतिम में मानवता, विनम्रता तथा सेवाभाव के त्रिवेणी संगम डॉ. रामगोपाल तापडिया को विनम्र आदरांजलि अर्पित करते हैं. वे अपने कार्यों के कारण सदैव अमर रहेंगे, अंत में यही कह सकते हैं कि ओ जाने वाले हो सके तो लौट के आना....विनम्र आदरांजलि.

एड.मोहनराव पिंपले का भव्य नागरी सत्कार

समाज की समीक्षा बैठक में राज्यभर से शामिल हुए 200 प्रतिनिधि

विदर्भ स्वाभिमान, 12 मार्च

अमरावती- सोमवंशी आर्य क्षत्रिय समाज अमरावती एवं सोमवंशी आर्य क्षत्रिय क्षेत्रीय मंडल पणे (महाराष्ट्र राज्य) की संयुक्त समीक्षा बैठक अमरावती के श्री एकवीरा देवी मंदिर हॉल में संपन्न हुई. इसमें समाज से जड़े विषयों पर चिंतन-मनन किया गया.संस्था के सचिव अमर सोनवलकर ने परिचय प्रस्तुत कर समाज में एकता एवं सामाजिक जागरूकता तथा समाज के इतिहास पर प्रकाश डाला. राज्यभर से समाज के पदाधिकारी इसमें शामिल थे. मौके पर समाज के विदर्भ प्रमुख तथा म्यामार

में भारत के वाणिज्य राजदूत एड. मोहनराव पिंपले का बडनेरा के विधायक रवि राणा के हाथों सत्कार किया गया. इसके साथ ही मंत्री दर्जा वाले आश्वासन समिति के अध्यक्ष बनने पर विधायक रवि राणा का समाज की ओर से सत्कार किया

गया.पहली बार अमरावती पहुंचे एड. मोहनराव पिंपले का जोरदार स्वागत समाजबंधुओं द्वारा किया गया. समाज के अध्यक्ष विनोद कमार विंड,सचिव अमर सोनवलकर एवं पुणे समाज के अध्यक्ष मोहनराव, महासचिव इंद्रजीत डोंगरे, प्रमोद नंदागवली ने मार्गदर्शन किया. बैठक में राज्यभर से समाजबंधु उपस्थित थे. विधायक रवि राणा को लघु फिल्म 'समाज की उत्पत्ति का इतिहास' दिखाई गई. इस दौरान विधायक रवि राणा ने क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यों की सराहना की. बैठक तथा समारोह की सफलतार्थ विनोद बिंड, निलेश मानेकर, नितिन वानखडे, सचिव अमर सोनवलकर, सुनील बनसोड, मुकेश खांडेकर, हितेश बनसोड, अनुप चव्हाण, गजानन डवले, दिलीप वाने, आरती खांडेकर व अर्चना गोलाईतकर के साथ-साथ समस्त कार्यकारी मंडल एवं अमरावती समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही. क्रार्यक्रम की सराहना स्वयं मोहनराव पिंपले के साथ ही समाजबंधुओं ने की.

दुग्धपूर्णा

स्वादिष्ट,पौष्टिक शीतपेयों का विश्वसनीय और पसंदीदा स्थान, जहां गला होता है तर...लोग करते इंतजार हैं साल भर जिसका इंतजार

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक, अमरावती

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान